प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल-425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ.9001:2008 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन:-02582-222678/224600 रेलवे -54900/54918/54920, फैक्स- 02582-222678
ई-मेल: zrtibsl@gmail.com वेबसाईट-रेलनेट-http:\\10.154.26.100\ इंटरनेट-www.zrtibsl.com,

वर्ष :- षष्ठम अंक :- पच्चीसवां जुलाई से सितंबर 2012

मुख्य संपादक की कलम से

संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका प्रशिक्षण दर्पण के पच्चीसवें अंक का संपादकीय लिखते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है क्यों कि यह पत्रिका पाठकों के लिए निरंतर उपयोगी साबित हो रही है । विभिन्न नए विषयों का संकलन इस अंक की विशेषता है । संस्थान के क्रियाकलापों का दर्पण साबित होती इस पत्रिका के संपादक मंडल को मैं बधाई देता हूँ एवं पत्रिका को बेहतर बनाने हेतु प्रबुध्द पाठकों के सुझाव सहर्ष आमंत्रित करता हूँ।

एल.एम.सैयद
प्राचार्य

भारतीय डाक - यात्री आरक्षण प्रणाली

हरीश पाटील (वाणिज्य प्रशिक्षक)

आरक्षित टिकटों को यात्रिओं के डोर स्टेप नॉन रेल हेड तक पहुंचाना –

उद्देश –

* इस प्रणाली के लिए डाक विभाग एवं रेल प्रशासन के बीच करार किया गया है ।
* भारतीय डाक विभाग द्वारा संगणीकृत आरक्षित टिकट निर्धारित पोस्ट ऑफीस से जारी किये जाऐंगे ।
* पी.आर.एस.जो इंडिया पोस्ट द्वारा चलाया जाएगा वह इंडिया पोस्ट पी.आर.एस.सेंटर के नाम से जाना जाएगा ।
* रेल मंत्रालय द्वारा हार्डवेअर, कम्युनिकेशन, इक्युपमेंट्स, चैनल इत्यादी मुहैया करवाया जाएगा ।
* प्रारंभिक एवं मेंटेनेंस का खर्चा रेलवे उठाएगी ।
* जगह बिजली व अन्य संगठनात्मक सुविधाऐं डाक विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी ।
* टिकट जारी करने के लिए कर्मचारी एवं उनके वेतन की व्यवस्था डाक विभाग द्वारा की जाएगी ।
* डाक विभाग के कर्मचारियों के प्रशिक्षण का खर्च रेलवे विभाग द्वारा किया जाएगा । (यात्रा भत्ता एवं डेली भत्ता छोडकर)
* डाक विभाग को खाली कंम्यूटरीकृत टिकट रोल नामांकित पीआरएस सेंटर से प्राप्त करने होंगे । उनके गुम होनेआदि की जिम्मेदारी डाक विभाग की होगी ।
* रेल विभाग को दी जाने वाली आमदनी प्रतिदिन भारतीय डाक के खाते से डेबिट होगी एवं आरबीआई नागपुर में रेलवे के खाते में जमा होगी ।
* इंडिया पोस्ट पीआरएस सेंटर द्वारा वे सभी प्रकार के टिकट जारी किये जाऐंगे जो किसी अन्य रेलवे पीआरएस द्वारा जारी किये जाते हैं जैसे रियायती सैनिक वारंट, वरिष्ठ नागरिक रियायत इत्यादी ।
* इंडिया पोस्ट पीआरएस द्वारा निम्नलिखिल सेवा शुल्क लिया जाएगा ।
  - द्वितीय श्रेणी शयनयान एवं कुर्सीयान – 15 रू. प्रति टिकट
  - वातानुकूलित टू टीयर / वाता. प्रथम श्रेणी / प्रथम श्रेणी – 30 प्रति टिकट
  - रद्दीकरण शुल्क 10 रू. प्रति टिकट सभी श्रेणियों के लिए
* यातायात लेखा निरीक्षक एवं वाणिज्य निरीक्षक द्वारा वर्ष में कम से कम एक बार इंडिया पोस्ट सेंटर की कार्य प्रणाली का निरीक्षण किया जाएगा ।
* इंडिया पोस्ट सेंटर द्वारा सभी संबंधित विवरणियाँ, वाऊचर एवं स्टेंटमेंट नामांकित यातायात कार्यालय को भेजना होगा ।
* आरक्षण का समय सामान्य पीआरएस जैसा ही होगा ।
* आईआरसीटीसी से करार करने के बाद ई-टिकट की सुविधा भी इंडिया पोस्ट द्वारा दी जा सकती है ।
* वर्तमान में यह सुविधा निम्नलिखित स्थानों पर उपलब्ध है –
  - भुसावल मंडल – मालेगांव
  - मुंबई मंडल – जीपीओ मुंबई सीएसटीएम, गिरगांव, मांडवी, दादार, शिव, पवई (आई.आई.टी.), चेंबूर, उल्हासनगर, ऐंटवॉर्प हिल, नेरूल, चिंच बंदर, भिवंडी, दांडेकरवाडी, कुर्ला (नॉर्थ), अलिबाग ।
  - पुणे मंडल – राजगुरू नगर, इचलकरंजी
  - सोलापुर मंडल – बारसी

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल की महिमा

एक प्रशिक्षक की कलम से

मैं झेडआरटीआई भुसावल के गौरव का, पावन गीत सुनाता हूँ ।
यह भारतीय रेल का गहना है, यह सोच इठलाता हूँ ।।
पक्षपात एवं भेदभाव से इसने हमे बचाया है ।
हरित क्रांति एवं प्रशिक्षण के लिए, सबको इसने जगाया है ।।
शान ए मध्य रेल का, कहते रेलकर्मी और नैनिहाल ।
मध्य, पश्चिम मध्य, कोकण एवं अन्य रेल का यह सदा रखता है खयाल ।।
स्मरण हो आते हैं नियम तब, जब सभी प्रशिणार्थी आते हैं ।
सतत परिश्रम एवं निष्ठा से, जब प्रशिक्षक यहाँ पढाते हैं ।
कर्मचारी और अधिकारी की कर्मठता का ये परिचय है ।
सर्वोत्तम, श्रेष्ठ बनने का सदा झेडआरटीआई का निश्चय है ।
प्रतिस्पर्धा की बेला में संकल्प लिये हम जाऐंगे ।
तन से, मन से और वचन से, हम प्रशिक्षक अपना फर्ज निभाऐंगे ।

ए. के. सिंह (यातायात संकाय)

" शिक्षक द्वार खोलते हैं, लेकिन प्रवेश आपको ही करना होता है । "

प्रशिक्षण दर्पण

डाटालॉगर Datalogger

बृजेश कुमार (यातायात प्रशिक्षक)

* यह एक कम्प्यूटरीकृत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो रूट रिले इंटरलॉकिंग, सॉलिड स्टेट इंटरलॉकिंग तथा पैनल आदि से जुडा रहता है।
* इसके द्वारा रिले रूम मॉनिटरिंग तथा सिग्नल की खराबी का जल्दी से जल्दी पता लगाया जाता है तथा उसकी प्रत्येक गतिविधी की जानकारी देता है।
* रेल संरक्षा समीक्षा समिती (RSRC) ने 1990 में सुझाव दिया था कि SPAD (Signal passing in danger) के मामलों को डाटालॉगर द्वारा आसानी से पता लगाया जा सकता है।
* डाटालॉगर के जो मुख्य उद्देश हैं वे इस प्रकार हैं –
  – सिग्नल व पॉईंट संचालन की पूरी जानकारी
  – सिग्नल को ऑन में पार करने के मामले पता करना
  – सिग्नल के ऑफ या ऑन होने के विवादों को दूर करना
* डाटालॉगर के द्वारा सिगनल में किसी प्रकार की खराबी जैसे सिगनल, पाईंट, ट्रेक सकीट, रिले, ब्लॉक उपकरण तथा इंटरलॉकिंग से संबंधित खराबियों का उचित कारण सहित पता लगाना संभव हुआ है।
* परिचालनिक गल्तियों,इमर्जेंसी रूट रिलिज इत्यादि बातों का पता भी लगाता है
* मेन लाईन तथा लूप लाइन में गाडी के प्रवेश करते समय गाडी की गति को भी रिकॉर्ड करता है जिससे टर्नआऊट पर गाडी की अधिकतम गति ज्ञात होती है।
* कॉलिंग ऑन सिगनल पर गाडियों को लेने संबंधी बातों का भी पता लगाया जा सकता है।
* यह बैटरी वोल्टेज तथा पावर सप्लाई की स्थिती को भी दर्शाता है।
* डाटालॉगर लगाने के कारण स्टेशन स्टॉफ, रनिंग स्टॉफ तथा मेंटेनेंस स्टॉफ ज्यादा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य को करते हैं।
* इससे गाडियों के संचालन मे पारदर्शिता आई है।
* इसे IVRS तथा PA सिस्टम द्वारा भी जोडा जा सकता है।
* UFSBI (Universal failsafe block interface) के सिध्दांत को प्रशस्त करता है।

घाट सेक्शन में गाडियों का संचालन

ज्वाला प्रसाद (वरि.याता.प्रशिक्ष

रेल लाईन का वह भाग जो पहाडी जमीन पर होता है और जिस खंड का 50 प्रतिशत हिस्सा 100 में 1 का उतार–चढाव वाला होता है या 30 प्रतिशत हिस्सा 80 में 1 का उतार–चढाव वाला होता है उसे घाट सेक्शन कहते हैं। मध्य रेल पर निम्नलिखित घाट सेक्शन हैं –

मुंबई मंडल–ईगतपुरी – कसारा (थल घाट)कर्जत – लोनावला (भोर घाट)

नागपुर मंडल–धाराकोह – मारामझिरी , तीगांव – चिंचौडा

घाट सेक्शन मे गाडी संचालन के प्रमुख नियम इस प्रकार हैं।

1. गाडी संचालन के अनुदेश संबंधित स्टेशन के स्टेशन संचालन नियमों मे दिये जाऐंगे तथा गाडी संचालन के लिए विशेष अनुदेश संबंधित मंडल के संचालन समय सारणी में दिये जाते हैं।
2. यदि किसी गाडी में 75 प्रतिशत या अधिक कोचिंग वाहन हैं तो उस गाडी को सवारी गाडी माना जाएगा और ऐसी गाडी में ब्रेक पावर 100 प्रतिशत होना चाहिए।
3. घाट सेक्शन में चलने वाली गाडियों का लोड अधिकृत लोड से अधिक नहीं होना चाहिए।
4. घाट सेक्शन में केवल प्रशिक्षित लोको पायलट ही कार्य करेंगे तथा उनके द्वारा घाट सेक्शन में प्रवेश करने से पहले ब्रेक पावर की जॉच की जाएगी।
5. यदि गाडी घाट सेक्शन में 10 मिनट से अधिक खडी हो जाती है तो तुरंत हैंड ब्रेक तथा लकडी के गुटकों का उपयोग किया जाएगा।
6. घाट सेक्शन में स्टेशनों के बीच इंजन को गाडी से काटकर अलग नहीं किया जाएगा।
7. ऐसे सेक्शन में भरे हुए वाहन एक समूह में इंजन के साथ तथा खाली वाहन एक समूह में पीछे की ओर लगाए जाने चाहिए।
8. घाट सेक्शन में दो भरे हुए वाहनों के बीच एक खाली चौपहिया वाहन नहीं लगाया जाएगा।
9. घाट सेक्शन में लॉग हॉल गाडियों तथा लॉरियों के संचालन की अनुमति नहीं है।
10. कसारा और इगतपुरी, कर्जत, और लोनावला सेक्शन मे दिन के समय सभी अप और डाऊन गाडियों की पिछली बत्तीयाँ अवश्य जलानी चाहिए।
11. मुंबई मंडल के कसारा – इगतपुरी व कर्जत – लोनावला सेक्शन के केवल डाउन दिशा में 8 पहिया ब्रेकयान उपलब्ध न होने पर मालगाडियों को बिना ब्रेकयान से चलाने की अनुमति है।

अच्छाई

बापू सरोदे (यातायात प्रशिक्षक)

अगर हम एक सर्वे करें और लोगों से पूछे '' क्या आप अच्छे हैं ?'' तो ज्यादातर लोगों का जवाब होगा, ''हाँ !'' इनसे पुछें, ''कौन सी चीज उन्हें अच्छी बनाती है ?'' तो जबाब होगा –

* मैं धोखा नहीं देता, इसलिए मैं अच्छा हूँ।
* मैं झूठ नही बोलता, इसलिए मैं अच्छा हूँ।
* मैं चोरी नहीं करता, इसलिए मैं अच्छा हूँ।

*अगर आप उपर दिये जवाबों को जाँचे और परखें, तो पाऐंगे कि उनमें ज्यादा दम नहीं है। उस आदमी के बारे में सोचें जो कहता है, ''मैं धोखा नही देता।'' इसका सिर्फ यही मतलब है कि वह धोखेबाज नहीं है। और वे लोग जो कहते हैं कि हम झूठ नहीं बोलते और चोरी नहीं करते, इसका मतलब सिर्फ यही है कि वे झूठे और चोर नहीं है। मगर इतनी–सी बात से वे अच्छे नहीं बन जाते। एक इंसान अच्छा तब बनता है, जब वह वास्तव में अच्छे काम करता है, न कि तब जब वह गलत काम नहीं करता। नैतिक मूल्यों वाला व्यक्ति वही होगा जिसमें निष्पक्षता, दया, साहस, निष्ठा, दूसरों के भाव समझने की क्षमता, विनम्रता, तहजीब और वफादारी जैसे गुण होंगे। इन खूबियों वाले इंसान अच्छे क्यों माने जाते है ? इसलिए कि ऐसे लोग ही भरोसेमंद होते हैं, न्याय के लिए खड़े होते हैं, जरुरतमंद की मदद करते है, अपनी और अपने आसपास के लोगों की जिंदगी बेहतर बनाते हैं।

" रोशनी फैलाने के दो तरीके हैं या तो दीपक बन जाऐं या उसे प्रतिबिम्बित करने वाला दर्पण "

प्रशिक्षण दर्पण

अतिथियों का आगमन

दि.10/7/2012 को माननीय श्री रविन्द्र गुप्ता (वरिष्ठ उप महाप्रबंधक) मध्य रेल ने इस संस्थान में भेंट दी तथा सभी विभागों का निरीक्षण किया । तत्पश्चात सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ बैठक में शामिल हुए ।

दि.16/8/2012 को श्री.डबल्यु के. प्रधान (मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मध्य रेल) ने संस्थान में भेट दी । संस्थान के क्रियाककलापों को देखा व संतोष व्यक्त किया ।

स्वतंत्रता दिवस

दि. 15/8/2012 को 65 वाँ स्वतंत्रता दिवस संस्थान में बडे हर्षोल्हास से मनाया गया इस उपलक्ष्य में प्राचार्य महोदय द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात् राष्ट्र गान हुआ । इस अवसर पर महाप्रबंधक मध्य रेल का संदेश प्राचार्य जी द्वारा पढा गया ।

इस समारोह में सभी प्रशिक्षार्थी, प्रशिक्षक, अधिकारी गण सम्मिलित हुए । इस उपलक्ष्य में प्रशिक्षार्थियों सहित प्रायमरी स्कूल एवं महिला समाज समिति द्वारा संचालित डबल्यु. एस.एस.सी.के छात्र छात्राओं द्वारा परेड करनेवाले प्रशिक्षार्थियों, स्कूल के बच्चों को प्रथम,द्वितीय,तृतीय नकद पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन किया ।

सद्भावना दिवस

दि.17/8/2012 को सद्भावना दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान में सभा आयोजित कर प्राचार्य महोदय द्वारा सभी अधिकारी, प्रशिक्षक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थियों को शपथ दिलाई गई ।

वृक्षारोपण

प्राचार्य महोदय के नेतृत्व में क्षे रे प्र सं परिसर में गतमाह में लगभग 800 पेड लगाये गये जिसमें नीम,अशोका, बादाम प्रमुख हैं । शहर के बढते तापमान को देखते हुए हॉस्टेल तथा मेस परिसर में भी पेड लगवाये गये हैं ।

रक्तदान

दि.21/9/2012 को संस्थान में सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के नेतृत्व में रक्तदान किया गया जिसमें संस्थान के प्रशिक्षार्थियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों ने अपने रक्त का दान किया ।

राजभाषा सप्ताह

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक 1 सितंबर से 15 सितंबर तक संस्थान में राजभाषा सप्ताह मनाया गया । इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया । विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारीयों की सूची इस प्रकार है –

हिंदी निबंध प्रतियोगिता :-

क्र.	नाम (सर्वश्री)	पदनाम	स्थान
1.	पेरी भगवती राव	मु.याता.प्रशि.	प्रथम
2.	शैलेश चंद्रकांत पेडसे	मु.लेखा प्रशि.	द्वितीय
3.	डी.के.सोनी	वरि.लोको प्रशि.	तृतीय
4.	ए.जी.गाडगिल	मु.वाणि.प्रशि.	सांत्वना
5.	अजय कुमार श्रीवास्तव	वरि.प्रशि.(एसी.)	सांत्वना

हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता

क्र.	नाम (सर्वश्री)	पदनाम	स्थान
1.	पी.बी.राव	मु.याता.प्रशि.	प्रथम
2.	लखन जी झा	वरि.याता.प्रशि.	द्वितीय
3.	संजय कुमार	याता.प्रशि.	तृतीय
4.	संजयकुमार राय	वरि.याता.प्रशि.	सांत्वना
5.	डी.के.सोनी	वरि.डीजल प्रशि.	सांत्वना
6.	विवेक कुमार	याता. प्रशि.	सांत्वना

कंम्प्युटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता –

क्र.	नाम (सर्वश्री)	पदनाम	स्थान
1.	विजय काशिनाथ मोरे	वरि.याता.प्रशि.	प्रथम
2.	योगेश देशमुख	कार्यालय अधी.	द्वितीय
3.	ए.जी.गाडगील	मु.वाणि.प्रशि.	तृतीय
4.	सुनिल परदेशी	क.नि.	सांत्वना
5.	गिरिष वसंत गोर्हे	आशुलिपिक	सांत्वना
6.	पी.बी.राव	मु.याता.प्रशि.	सांत्वना

वाक् प्रतियोगिता –

क्र.	नाम (सर्वश्री)	पदनाम	स्थान
1.	ए.जी.गाडगील	मु.वाणि.प्रशि.	प्रथम
2.	संजय कुमार राय	वरि.याता.प्रशि.	द्वितीय
3.	पी.बी.राव	मु.याता.प्रशि.	तृतीय
4.	लखन जी झा	वरि.याता.प्रशि.	सांत्वना
5.	विजय काशिनाथ मोरे	वरि.याता.प्रशि.	सांत्वना

उपरोक्त कर्मचारियों को प्राचार्य महोदय द्वारा पुरस्कार स्वरूप नगद राशि व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया । उपरोक्त प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर्मचारियों को मुख्यालय स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतू भेजा जाएगा ।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिती भुसावल द्वारा आयुध निर्माणी भुसावल में आयोजित टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता में संस्थान के निम्नलिखित प्रशिक्षकों ने पुरस्कार प्राप्त किया –

क्र.	नाम (सर्वश्री)	पदनाम	स्थान
१.	ए.जी.गाडगील	मु.वाणि.प्रशि.	द्वितीय
२.	शैलेष पेंडसे	मु.लेखा.प्रशि.	तृतीय
३.	पी.बी.राव	मु.याता.प्रशि.	प्रोत्साहन

गणेशोत्सव

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में गणेशोत्सव धूमधाम में मनाया गया । दिनांक 19/9/2012 को के.व्ही.पंडीत सभागृह में गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की गई । पाँच दिन पश्चात प्रतिमा को ताप्ती नदी में विसर्जित किया गया । कार्यक्रम का समापन श्री अजय कुमार (सहा.वाणि प्रबंधक) द्वारा आयोजित भंडारा भोज के साथ हुआ ।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

एम.के.गोयल (सहा.परि.प्रबंधक)

भारतीय रेल दिल्ली,मुंबई,चैन्नै और हावडा चार महानगरों को जोडने वाली चतुर्भुज कडी है जिसे आमतौर पर स्वर्ण चर्तुभुज और इसके दो विकर्णो (दिल्ली–चैन्नै और मुंबई–हावडा) के रूप में जाना जाता है। इस रूट की कुल लंबाई 10,122 कि.मी. है जिससे भारतीय रेल के मालभाडा यातायात की 55 % से अधिक राजस्व आय आती है। पूर्वी कोरीडोर पर हावडा–दिल्ली की वर्तमान बडी लाइन और पश्चिमी कोरीडोर पर मुंबई–दिल्ली लाईन बहुत ही व्यस्त लाइन है जिनकी क्षमता का 115% से 150 % तक उपयोग किया जा रहा है उभरती हुई शक्ति को भारी कोयला संचलन, तीव्र मूलभूत ढांचा निर्माण और बढते हुए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के कारण पूर्वी और पश्चिमी मार्गो के साथ डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर की अवधारणा ने जन्म लिया।

डी.एफसीसी के उन्नत आयाम

विशेषताएं	वर्तमान	डीएफसी पर
उंचाई	4.265 m	7.1 m for Western DFC 5.1 m for Eastern DFC
चौड़ाई	3200 mm	3660 mm
कंटेनर स्टैक	Single Stack	Double Stack
लंबाई	700 m	1500 m
गाड़ी लदान	4,000 Ton	15,000 Ton

डीएफसी की उन्नत अभिकल्प विशेषताएं

विशेषताएं	वर्तमान	डीएफसी पर
एक्सल लदान	22.9t/25t	32.5t/25t for Track
ट्रैक लदान धनत्व	8.67 t/m	12 t/m
अधिकतम गति	75 Kmph	100 Kmph
ग्रेड	Up to 1 In 100	1 In 200
घुमाव	Up to 10 degree	Up to 2.5 degree
ट्रैक्सन	Electrical(25 KV)	Electrical(2x25 KV)
स्टेशनों के बीच अंतर	7-10 Km	40 Km
सिगनल	Absolute/Automatic with 1 Km spacing	Automatic with 2 Km spacing
संचार	Emer.Sockets / MTR	Mobile Train Radio

परियोजना के चरण

पश्चिमी कोरीडोर		वर्ष
चरण I	रेवाडी–वडोदरा (920k.m.)	2009-16
चरण II	वडोदरा–जेएनपीटी (430 k.m.)	2010-17
चरण III	रेवाडी–दादरी (140 k.m.)	2010-17

पूर्वी कोरीडोर		वर्ष
चरण I एपील 1	खुर्जा–कानपुर (343 k.m.)	2009-16
चरण II एपील 2	कानपुर मुगलसराय (390 k.m.)	2010-16
चरण III एपील 3	खुर्जा–लुधियाना (397 k.m.)	2011-16
चरण 4 पीपीपी के द्वारा फंडिंग	दानकुनी–सोननगर (550 k.m.)	2011-16
चरण एल ए रेल मंत्रालय द्वारा फंडिंग	सोननगर–मुगलसराय (125 k.m.)	2010-16

पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर – का 1839 कि.मी.लंबा मार्ग है जिसमें दो पृथक खंड है : एक पश्चिम बंगाल में दानकुनी और उत्तरप्रदेश में खुर्जा के बीच 1392 कि.मी. का एक विद्युतीकृत दोहरी लाइन खंड है तथा पंजाब और उत्तरप्रदेश में लुधियाना (ढंढारीकलां) – खुर्जा – दादरी के बीच 447 कि.मी. का एक विद्युतीकृत इकहरी लाइन खंड है।

पश्चिमी कोरीडोर – जेएनपीटी से दादरी तक बरास्ता बडोदरा–अहमदाबाद–पालनपुर–फुलेरा–रेवाडी दोहरी लाइन विद्युतीकृत (2×25केवी) ट्रैक की 1483 कि.मी. की दूरी तय करता है।

स्वागत / बिदाई / बधाई

* श्री.सुदामा प्रसाद कर्णधार श्री.आर.के.त्रिपाठी (वरि. यातायात प्रशिक्षक) का संस्थान में आगमन पर स्वागत।

* श्री.एस.प्रसाद श्री.आर.के.सिंह (वरि.वाणिज्य प्रशिक्षक) के संस्थान में आगमन पर स्वागत।

* श्री.पी.बी.राव (मुख्य यातायात प्रशिक्षक) श्री.सतीश शर्मा (मुख्य डीजल प्रशिक्षक) श्री.ए.व्ही.सोनवणे (मु.लेखा प्रशिक्षक) के कार्यकाल पूर्ण कर मंडल में स्थानांतरण पर विदाई।

संपादक मंडल

संरक्षक : श्री.झेड. ए. सिद्दीकी (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शक : श्री.आर.डी.त्रिपाठी (मुख्य यातायात योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक : श्री.एल.एम.सैयद (प्राचार्य)
श्री.आर.डी.कोरी (उप प्राचार्य)
संपादक : श्री.एम.के.गोयल (सहा.परि. प्रबंधक)
संकलक : श्री.विजय काशिनाथ मोरे (वरि. यातायात प्रशिक्षक)
ग्राफिक्स सज्जा : श्री.शशिकांत केशव माली (वरि.सिमु.प्रशिक्षक)
सहयोग/वितरण : श्री.विरेन्द्र सिंह (वरि.कार्यालय अधिक्षक)